CHILD
LINE
1098
NIGHT & DAY

# चाइल्डलाइन

# डायल - 1098

# चाइल्डलाइन के बारे मे –

चाइल्डलाइन क्या है ?

चाइल्डलाइन की शुरूआत।

हमारा मिशन व दृष्ष्टिकोण।

हम क्या करते है।

श्योपुर जिले मे चाइल्डलाइन की शुरूआत।

केस के प्रकार।

चाइल्डलाइन श्योपुर टीम द्वारा किये गये कार्य।

चाइल्डलाइन – बालकल्याण समिति– पुलिस का आपसी सहयोग।

# चाइल्डलाइन क्या है ??

- चाइल्डलाइन महिला एवं बाल विकास की एक परियोजना है जो कि 0 से 18 वर्ष तक के बेबस व बेसहारा बच्चो की मदद के लिये है। यह 24 घंटे चलने वाली मुफ्त आपतकालीन राष्ट्रीय फोन सेवा है।
- चाइल्डलाइन राज्य सरकारो, गैर-सरकारी संगठनो, शैक्षणिक संस्थानो, द्विपक्षीय व बहुपक्षीय एजेंन्सियो, के साथ मिलकर कार्य करती है।
- चाइल्डलाइन ...
  - राष्ट्रीय
  - 24-घंटे
  - मुफत फोन सेवा
  - आपात कालीन।
  - फोन व आउटरीच सेवा।

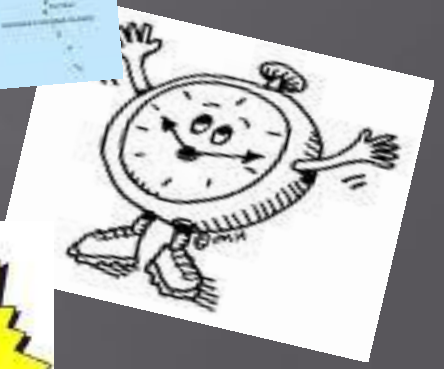

# चाइल्डलाइन की शुरूआत

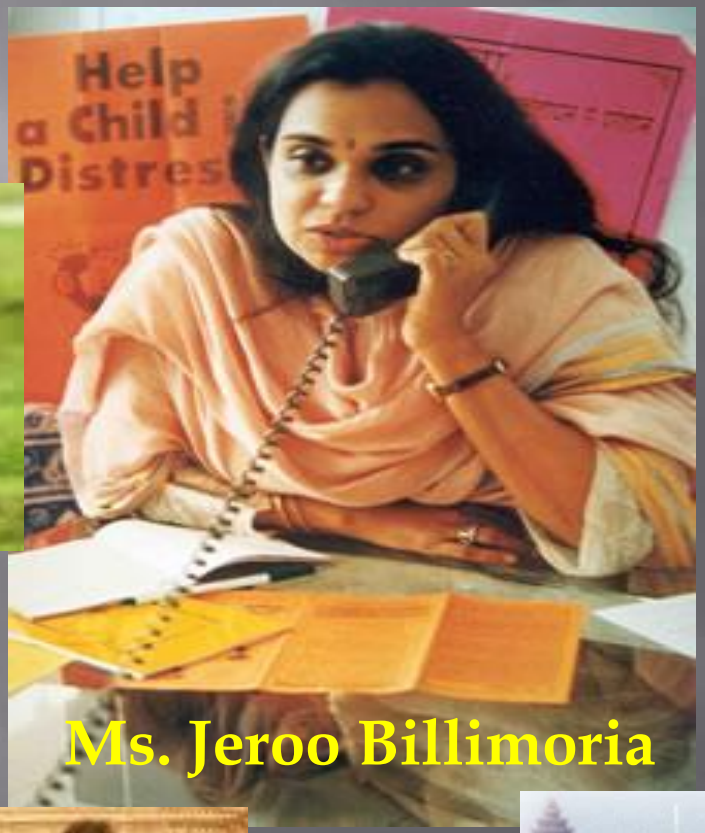

**Ms. Jeroo Billimoria**

# चाइल्डलाइन की शुरूआत

चाइल्डलाइन की शुरू श्रीमति जेरू बिलिमोरिया ने जून1996 मे मुम्बई मे की थी।

प्रारम्भ मे यह एक फिल्ड एक्शन परियोजना के रूप मे मुम्बई मे चलाया गया। जिसमे बडी संख्या में बच्चो के फोन आये और यह प्रोजेक्ट सफल सबित हुआ।

सन 2006 मे चाइल्डलाइन महिल एवं बाल विकास मंत्रालय मे शामिल हुई।

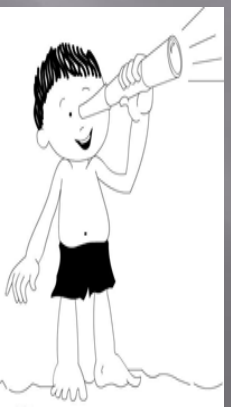

वर्तमान मे चाइल्डलाइन –

सभी राज्यो मे व 412 जिले मे 840 भागीदारो के साथ संचालित हो चुकी है।

हमारा उददेश्य व दृष्टि कोण –

एक ऐसे अनुकुल राष्ट्र का निर्माण करना जो बच्चो के अधिकारो व संरक्षण की गारंटी देता है।

# बच्चों के मुख्य अधिकार

**जीने का अधिकार**

**विकास का अधिकार**

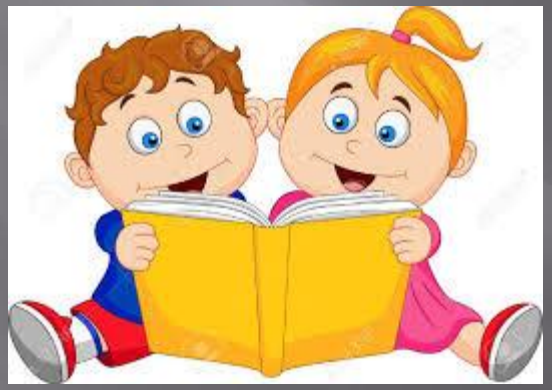

**सुरक्षा का अधिकार**

**भागीदारी का अधिकार**

# हम क्या करते है ?

- जब बच्चा/ संबंधित व्यस्क 1098 डायल करते है तो यह कॉल – मुम्बई
- मुम्बई से श्योपुर/ सम्बधित जिले मे चाइल्डलाइन सेंटर से कनेक्शन जुडता है।
- चाइल्डलाइन टीम 60 मिनट के भीतर बच्चे तक पहुचती है।
- बच्चे की स्थिति के अनुसार सम्बधित विभाग से मिलकर उसकी मदद करना।

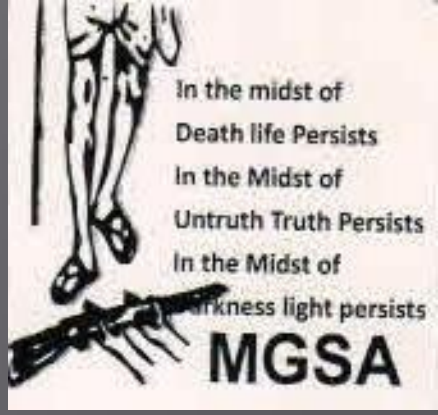


श्योपुर जिले मे चाइल्डलाइन की शुरूआत –

चाइल्डलाइन सन 2014 से महात्मा गांधी सेवा आश्रम **(MGSA)** द्वारा संचालित है।

# श्योपुर चाइल्डलाइन पर आने वाले केस- ?

सन 2014- 15 मे - 76 केस

सन 2015- 16 मे - 234 केस

सन 2016- 17 मे - 496 केस

सन 2017- 18 मे - 404 केस

केसो की केटेगरी –

- मिसिंग चाइल्ड –

  लापता स्थिति में मिले बच्चे या घर पता हो गये बच्चें।

- प्रोटेक्सन फॉम अव्यूस –

  भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चे।

  बाल विवाह – कानून द्वारा विवाह के लिये निर्धारित की गई उम से कम उम मे विवाह करना।

  बालिकाओ के साथ अभद्र व्यवहार/ योन शोषण।

  बच्चो के साथ मारपीट करना।

- शैल्टर –

  अनाथ व बैसहारा बच्चो के लिये।

- मेडिकल –

  बीमार/ कुपोषित /एक्सीडेन्ट बच्चो के लिये।

- स्पोन्सरशिप –

  जरूरत मंद व विकलांग बच्चो को योजनाओ का लाभ दिलवाना।

  बच्चो को स्कूल मे भर्ती करवाना।

विभिन्न सरकारी व गैर–सरकारी विभागो का सहयोग

# चाइल्डलाइन टीम द्वारा किये गये कार्य –

- चाइल्डलाइन टीम द्वारा लापता स्थिति मे मिले बच्चों को पुलिस विशेष किशोर पुलिस इकाई– बालकल्याण समिति की मदद से बच्चो के परिवार के बारे मे पता उसे सुरक्षित उनके परिवार तक पहुचाया गया है।

श्योपुर पत्रिका
sheopur patrika
SATURDAY
ग्वालियर, शनिवार 18 मार्च 2017
कराहल . विजयपुर . बड़ौदा . वीरपुर

बिछड़ी बच्ची को परिजनों से मिलवाते चाइल्ड टीम के सदस्य।

## लापता हुई बालिका को परिजनों से मिलाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

श्योपुर. अपने परिजनों से बिछड़कर लावारिस हाल में मिली एक आदिवासी बालिका को चाइल्ड लाइन की टीम ने उसके परिजनों से मिलाया, साथ ही परिजनों को भी बालिका का ख्याल रखने की हिदायत दी गई। बताया गया है कि कोतवाली पुलिस के दो पुलिसकर्मियों को ढेंगदा में एक आदिवासी बच्ची लावारिस हाल में घूमती हुई मिली, जिसके बाद पुलिस ने चाइल्ड लाइन टीम को बुलाकर बच्ची की काउंसलिंग कराई। बच्ची ने अपना नाम शिवानी बताया और परिजनों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद चाइल्ड लाइन की टीम ने अजनोई निवासी परिजनों को ढूंढा और बाल कल्याण समिति के माध्यम से बच्ची को उनके सुपुर्द किया। परिजनों ने बताया कि हम अजनोई के रहने वाले हैं और होली पर बच्ची नानी के यहां ढेंगदा आई थी। लेकिन गलती से लापता हो गई। इस दौरान परिजनों को समझाईश दी गई। इस दौरान विप्लव शर्मा, गौरव आचार्य, अभिषेक शर्मा, मनोज सोनी आदि मौजूद रहे।

श्योपुर भास्कर
शनिवार 15 जुलाई, 2017 श्रावण, कृष्ण पक्ष षष्ठी, 2074

## शक्कर मंगाने चाचा ने 500 रुपए दिए जयपुर भागा बालक, पुलिस लेकर आई

**4 माह बाद लौटा बालक चाइल्ड लाइन ने घर वालों के सुपुर्द किया**

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

जिले के ग्राम रायपुरा में रहने वाला बालक चार माह पहले गायब हो गया था। राजस्थान की जयपुर पुलिस बालक को श्योपुर लेकर आई। पूछताछ करने पर पता चला कि बालक को उसके चाचा ने दुकान से शक्कर लाने 500 रुपए दिए थे। बालक यह रुपए लेकर सीधा जयपुर भाग गया। चार माह बाद वापस की पुलिस के माध्यम से वापसी हुई है।

जानकारी के अनुसार 14 साल का राहुल मीणा पुत्र स्वर्गीय धर्मसिंह मीणा करीब चार माह पूर्व अचानक गायब हो गया था। जयपुर पुलिस 12 जुलाई को जयपुर पुलिस राहुल को श्योपुर लेकर आई। स्थानीय चाइल्ड लाइन से से संपर्क किया। बालक को बाल कल्याण समिति के माध्यम से छात्रावास में रखा गया। बालक द्वारा बताए गए पते पर चाइल्ड लाइन की टीम रायपुरा गांव पहुंची। गांव में बालक के चाचा रमेश मीणा से संपर्क किया। तब रमेश ने बताया कि उसने राहुल को 500 रुपए देकर शक्कर लाने भेजा था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। राहुल की कई जगह तलाश भी की। काउंसिलिंग के बाद चाइल्ड लाइन ने राहुल को उसके चाचा रमेश की सुपुर्दगी में दे दिया है।

**पिता का हो चुका है निधन, मां ने कर ली दूसरी शादी**

चाइल्ड लाइन ने गांव जाकर पूछताछ की है। चाचा रमेश ने बताया कि राहुल के पिता का निधन हो चुका है। राहुल की छोटी बहन है। पिता के निधन के बाद उसकी मां मूर्ति बाई ने दूसरी शादी कर ली। तभी से दोनों बच्चे उसके साथ रहते हैं। चाइल्ड लाइन की टीम द्वारा पूछताछ करने पर राहुल का कहना है कि वह श्योपुर से जयपुर चला गया था। जहां जयपुर पुलिस उसे ले गई और वापस श्योपुर ले आई।

➢ भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों को पुलिस विशेष किशोर पुलिस इकाई – बाल कल्याण समिति की मदद से उनके माता–पिता की काउन्सलिंग कर बच्चो को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया है।

राज एक्सप्रेस

श्योपुर एक्सप्रेस

ग्वालियर | रविवार, 19 मार्च, 2017

पेट पालने के लिए जोखिम भरे करतब दिखाते बच्चे।

चाइल्ड लाइन की कार्रवाई

## 2 बच्चों को जोखिम भरे खेल से कराया मुक्त

श्योपुर। शहर के मैन चौराहे पर पांच वर्षीय बालक एवं छह वर्षीय बालिका से उनके पिता निताब व माता इतिबाई द्वारा रस्सी पर चलवाकर भीख मंगवाई जा रही थी। इस बात की सूचना चाइल्ड लाइन को मिलते ही चाइल्ड लाइन टीम द्वारा वहां पहुंचकर उन बच्चों की स्थिति के बारे में जानकारी ली व बच्चों तथा माता-पिता को पुलिस डायल 100 की मदद से बाल कल्याण समिति लाया गया। यहां चाइल्ड लाइन टीम व बाल कल्याण समिति ने बच्चों व माता पिता से उनके बारे में जानकारी ली व माता पिता की काउन्सलिंग की तथा बताया कि इस प्रकार के खेल से बच्चों को गंभीर चोट भी लग सकती है तथा बच्चों से भीख मंगवाना अपराध की श्रेणी में आता है। इसके लिए आपको सजा भी हो सकती है। इस दौरान माता-पिता द्वारा बताया गया कि. हम जिला जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। 2 दिन पहले ही छत्तीसगढ़ से श्योपुर शहर में आए हैं। हमें इस प्रकार की जानकारी नहीं थी कि बच्चों से भीख व जोखिम भरे खेल नहीं खिलवाने चाहिये।

हम कभी भविष्य में बच्चों से इस प्रकार के खेल नहीं खिलवाएंगे। इसके बाद समिति व चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों के हित को ध्यान में रखते हुए बच्चों को उनकी माता-पिता को सौंप दिया गया। इस दौरान बाल कल्याण समिति,चाइल्ड लाइन समन्वयक विप्लव शर्मा,मनोज सोनी,अभिषेक शर्मा,गौरव आचार्य,सुमनलता उपस्थित रहे।



शुक्रवार, 15 जनवरी, 2016

श्योपुर भास्कर

## चाइल्ड लाइन ने भीख मांगते मिले 12 बच्चों को दी समझाइश

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

शहर के बायपास रोड पर भीख मांग रहे 12 बच्चों को गुरुवार को चाइल्ड लाइन की टीम ने पकड़ा। सभी बच्चों को पुलिस की सहायता से बाल कल्याण समिति के पास ले जाया गया। जहां उनके माता पिता को बुलाकर बच्चों की काउंसलिंग कराई गई। माता-पिता ने अपने बच्चों से भविष्य में भीख नहीं मंगवाने का भरोसा दिया है।

शहर के पाली रोड पर एफसीआई गोदाम व बायपास रोड पर कुछ बच्चे घरों व दुकानदारों से भीख मांग रहे थे। इस बारे में सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन की टीम हरकत में आई। चाइल्ड लाइन द्वारा क्षेत्र से 12 बच्चों को पुलिस की सहायता से पकड़कर बाल कल्याण समिति के पास ले जाया गया। जहां बच्चों से उनके मां बाप का नाम पता पूछा गया। सभी बच्चों के माता-पिता को बाल कल्याण समिति कार्यालय पर बुलाया गया। इस दौरान बाल कल्याण अधिकारी ने कहा कि आप लोगों को शर्म नहीं आती जो बच्चों को पढ़ाने के बजाए उनसे भीख मंगवाते हो। माता-पिता का कहना था कि साहब गरीबी के कारण भीख मांगकर पेट भरते हैं। बच्चों को भीख आसानी से मिल जाती है, इसलिए उनसे यह काम कराना मजबूरी हो गई है। इस मौके पर चाइल्ड लाइन की टीम ने काउंसलिंग के दौरान बच्चों से भीख मंगवाने वाले मां बाप को फटकार लगाई। इस मौके पर माता पिता ने भविष्य में कभी भी बच्चों से भीख नहीं मंगवाने का भरोसा दिया। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने पकड़े गए सभी 12 बच्चों को उनके माता पिता को सौंप दिया गया। इसमें बाल कल्याण समिति तथा चाइल्ड लाइन टीम के मुकेश सेन, विप्लव शर्मा, मनोज सोनी, राजेश मीणा, सलमा खान आदि शामिल थे।

➢ चाइल्डलाइन टीम द्वारा अनाथ / बैसहारा बच्चो को महिला सशक्तिकरण विभाग व बाल कल्याण समिति से साथ मिलकर उनको योजना का लाभ दिलवाया व छात्रावास मे रहने की व्यवस्था करवाई गयी।



# चाइल्डलाइन को मिला पांच अनाथ बच्चे

## गुरूनवदा गांव में लोगों को कर रहे थे जागरूक

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

चाइल्ड लाइन की टीम ने दलारना और गुरूनावदा गांव में जाकर अवेयरनेस कार्यक्रम किया। जहां उन्होंने ग्रामीणों व बच्चों को चाइल्ड लाइन की गतिविधियों व 1098 नंबर के बारे में बताया गया। साथ ही टीम के सदस्यों ने बच्चों की समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान टीम को गांव में 5 अनाथ बच्चे मिले।

गांव में कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बताया कि गांव में 5 अनाथ बच्चे पूजा माहौर उम्र 15 वर्ष, लक्ष्मी उम्र 11वर्ष, किन्ता आदिवासी उम्र15वर्ष, नन्दनी माहौर उम्र 7वर्ष, बालक विक्की उम्र 6वर्ष है।

इसके बाद चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों के घर पहुंचकर उनकी स्थिति के बारे मे जानकारी ली। जिसमें बालिका पूजा माहौर व लक्ष्मी माहौर अपनी दादी पार्वती के साथ, नन्दनी माहौर व विक्की (संतोष) अपनी दादी भूली बाई के साथ रहते है, जिनकी दादी की आर्थिक व शारीरिक स्थिति भी कमजोर थी और बालिका किन्ता आदिवासी रिश्तेदार के यहां पर रहती है। चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों की स्थिति की सूचना जल्द-जल्द महिला सशक्तिकरण विभाग में देने व बच्चों के स्थिति के बारे मे मीटिंग कर उनको उचित लाभ दिलाने के बारे में कहा गया। इस दौरान चाइल्डलाइन टीम समन्वयक विप्लव शर्मा, टीम सदस्य मनोज सोनी, गौरव आचार्य, राजेश मीणा, सत्येन्द्र सिंह, सुमनलता श्रीवास्तव व शुभम शर्मा उपस्थिति रहे।



श्योपुर पत्रिका
sheopur patrika
ग्वालियर, सोमवार 18 सितंबर 2017
कराहल . विजयपुर . बड़ौदा . वीरपुर

# अंततः द्विवेती को मिला सहारा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

श्योपुर. पिछले तीन बरस से अपने तीन छोटे भाइयों के पालन पोषण की जिम्मेदारी उठा रही 12 बरस की द्विवेती को अंततः रविवार को राहत मिल ही गई। चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति ने रविवार को इन बच्चों को हासिलपुर के खैरघटा से यहां लाकर छात्रावास में पहुंचाया गया। जहां पहुंचने के बाद अब इन बच्चों को दो जून की रोटी के लिए रोज करने वाले संघर्ष से निजात मिल गई है। साथ ही पढ़ाई का मौका भी मिल सकेगा।

यहां बता दें कि खैरघटा सहराना निवासी द्विवेती आदिवासी 12 वर्ष के मा बाप की मौत तीन वर्ष पूर्व ही हो गई। जिसके बाद द्विवेती के जिम्मे उसके तीन छोटे भाई दिलखुश 10 वर्ष, संजू 8 वर्ष और राजवीर 6 वर्ष की जिम्मेदारी आ गई। इन तीनों भाइयों की जिम्मेदारी आने के बाद द्विवेती ने 9 वर्ष की उम्र से इन छोटे भाइयों का पालन पोषण शुरू किया। द्विवेती की इस दर्द भरी व्यथा को पत्रिका ने अपने 14 सितंबर के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया, जिसके बाद गांव में आज पुनः टीम पहुंची और चारों बच्चों को लेकर श्योपुर पहुंची, जहां पर बच्चों की काउन्सलिंग करने के बाद उन्हें छात्रावास में पहुंचाया गया। इस दौरान बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष संगीत अग्रवाल चाइल्ड लाइन के समन्वयक विप्लव शर्मा, टीम सदस्य गौरव आचार्य, हिर्देश, राजेश मीणा, शुभम शर्मा, नीलेश, आदि मौजूद रहे।

द्विवेती सहित चारों बच्चों की काउंसलिंग करते बाल कल्याण समिति व चाइल्ड लाइन के पदाधिकारी।

**चाइल्ड लाइन की टीम ने श्योपुर लाकर काउंसिलिंग बाद छात्रावास में कराया बच्चों को भर्ती**

- चाइल्डलाइन टीम द्वारा एसें बच्चे जिनके माता–पिता उनको स्कूल नही भेजते थे उन माता–पिता की काउन्सलिंग कर बच्चो को स्कूल में भर्ती करवाया गया।
- कई बच्चो के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्कूल के प्रबधंक की मदद से बच्चो की फीस माफ करवाई गयी।

शिवपुरी श्योपुर

नईदुनिया सिटी

करेरा-बदरवास-कराहल-विजयपुर

www.naidunia.com

ग्वालियर, मंगलवार 19 जुलाई 2016

## चाइल्डलाइन ने बालिका को कॉलेज में दिलाया दाखिला, भरी फीस

श्योपुर। नईदुनिया न्यूज

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन ने एक गरीब बालिका का पीजी कॉलेज में एडमिशन कराया है। यह एडमिशन कॉलेज में गरीब सहायता कोष के माध्यम से हुआ है। चाइल्डलाइन के कार्यकर्ता मनोज सोनी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि छोटी में रहने वाली सुशीला पुत्री स्व राजेन्द्र श्रीवास कॉलेज की पढ़ाई करना चाहती थी। लेकिन उसके परिवार के पास फीस भरने के पैसे नहीं थे। यह जानकारी चाइल्डलाइन को मिलने पर चाइल्डलाइन ने बालिका को एडमिशन दिलाने के लिए प्रिंसीपल डॉ एसडी राठौर से चर्चा की। डॉ राठौर ने उन्हें बताया कि ऐसी जरूरतमंद निर्धन वर्ग की बालिकाओं के लिए कॉलेज में गरीब सहायता कोष से एडमिशन कराने का प्रावधान है। चाइल्ड हेल्पलाइन ने सभी कागजी कार्रवाई पूरी कराकर छात्रा के एडमिशन के लिए आवेदन कर दिया है। सोमवार को पीजी कॉलेज प्रिंसीपल डॉ राठौर ने छात्रा का एडमिशन करते हुए उसकी फीस 1680 रुपए गरीब सहायता कोष से जमा करा दी। छात्रा का एडमिशन पर प्रोफेसर डॉ जीतेन्द्र शर्मा, मनोज सोनी, राजेश मीणा आदि का सराहनीय योगदान रहा।



गरीब सहायता कोष से छात्रा की फीस के लिए चेक प्रदान करते डॉ. राठौर।

बड़ौदा, वीरपुर | गुना, गुरुवार, 13 जुलाई 2017 | 5

# बच्चों को स्कूल लेकर पहुंची चाइल्ड लाइन, कराया भर्ती

श्योपुर, ब्यूरो

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित चाइल्डलाइन टीम द्वारा गांव दलारना में अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित गांव के पुरूष, महिलाओं व बच्चों को चाइल्डलाइन के कार्यो के बारे में जानकारी देने के साथ उनको शिक्षा के अधिकार के बारे में बताया गया तथा माता-पिता को बच्चों को स्कूल में भेजने के बारे में समझाया गया। चाइल्डलाइन टीम सदस्यो द्वारा समझाने पर बच्चो के माता-पिता स्कूल में भर्ती करवाने के लिये तैयार हो गये।

जिसमे गांव की 1 बालिका पिकीं माहौर व 3 बालक रोहित माहौर, राजवीर आदिवासी, अंशु माहौर शामिल है। चाइल्डलाइन टीम सदस्य द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चो को गांव रायपुरा के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में भर्ती करवाया गया। इसमे चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा, मनोज सोनी, गौरव आचार्य, सलमा खान, सुमनलता श्रीवास्तव, स्कूल की प्रिसिंपल रिकीं चौहान, आंगनवाडी कार्यकर्ता सरोज शिवहरे का सहयोग रहा।

- चाइल्डलाइन टीम द्वारा स्कूल से निकाल दिये गये बच्चो को पुनः स्कूल मे भर्ती करवाया गया है।

पहला दोस्त : ओए, सुन सेकंड ईयर का रिजल्ट आ गया क्या ?दूसरा दोस्त : हां आ गया और तमीज़ से बात कर
पहला दोस्त : क्यों ? दूसरा दोस्त : क्यूंकि अब मैं तेरा सीनियर हूं।

# ग्लोबल स्कूल में ही पढ़ेंगे निकाले गए भाई-बहन

## चाइल्ड लाइन की काउंसलिंग के बाद स्कूल प्रिंसिपल ने की फीस माफ

भास्कर संवाददाता | श्योपुर

शहर के ग्लोबल स्कूल से बीच सत्र में निकाले गए भाई-बहनों को दोबारा से उसी स्कूल में पढ़ाया जाएगा। इसके लिए चाइल्ड लाइन की टीम ने शुक्रवार को स्कूल प्रिंसिपल व बच्चों के पिता को बुलाकर काउंसलिंग की गई। जिसमें स्कूल प्रिंसिपल फीस माफ करने सहित बच्चों को दोबारा स्कूल में पढ़ाने के लिए तैयार हो गए।

गौरतलब है कि, शहर के पाली रोड स्थित ग्लोबल स्कूल में अध्ययनरत् देव शर्मा व उसकी बहन अंजलि शर्मा को 10 सितंबर को स्कूल प्रबंधन ने फीस जमा न करने पर से स्कूल से बीच सत्र में ही निकाल दिया था। बच्चों के पिता मनोज शर्मा का कहना था कि, बच्चों को 2015 में आरटीई के तहत स्कूल में दाखिल कराया गया था। जिसमें उनकी फीस माफ थी लेकिन, अब स्कूल प्रबंधन उनसे फीस की डिमांड कर रहा है। इस मामले में डीईओ अजय कटियार ने बीआरसी को जांच के आदेश दिए थे। जिसमें जांच करने स्कूल पहुंचे बीआरसी को स्कूल प्रबंधन ने रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं कराया था। साथ ही यह बताया गया था कि, स्कूल की मान्यता ही साल 2016 में मिली है तो फिर स्कूल 2015 में कैसे शुरू हो गया।

इस मामले की जांच अभी बीआरसी द्वारा की जा रही है। जिसमें रिपोर्ट नहीं आई है। इस सब के बीच बच्चों के बिगड़ते भविष्य को देखते हुए चाइल्ड लाइन की टीम ने स्कूल प्रिंसिपल गोपाल चौहान व बच्चों के पिता मनोज शर्मा को दफ्तर में बुलाया और बच्चों की पढ़ाई को लेकर चर्चा की। जहां दोनों ने अपना-अपना पक्ष रखा।

तकरीबन दो घंटे चली काउंसलिंग के बाद स्कूल प्रिंसिपल ने बच्चों की फीस माफ करने के साथ उन्हें इस सत्र में स्कूल में पढ़ाने की बात कहीं।

राज एक्सप्रेस

# सिटी एक्सप्रेस

शिवपुरी श्योपुर

ग्वालियर | शनिवार, 27 मई, 2017



## बच्चों ने कहा, हमारी भी स्कूल में पढ़ने की तमन्ना

### चाइल्ड लाइन टीम ने आयोजित किया ओपन हाउस कार्यक्रम

श्योपुर। चाइल्ड लाइन टीम ने एकीकृत बस स्टैण्ड एवं स्लामपुरा में ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किया,जिसमे टीम सदस्यों द्वारा उपस्थित लोगों व बच्चों को चाइल्ड लाइन के बारे मे जानकारी देते हुए बच्चों को अपनी मदद के लिये 1098 का उपयोग करना सिखाया गया। सभी लोगों व बच्चों से मिलकर उस क्षेत्र के बच्चों की समस्याओं के बारे पूछा गया, जिसमें राहुल बैरवा उम्र 8 वर्ष पुत्र परशुराम बैरवा, राजू बैरवा उम्र 10 वर्ष, विष्णु बैरवा, मोनू बैरवा उम्र 8 वर्ष पुत्र कालू बैरवा निवासी स्लामपुरा श्योपुर नाम के बालकों ने बताया ... भेजते हैं। लेकिन हम पढ़ना चाहते है। इस स्थिति को देखते हुए चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों के घर पहुंचकर उनके माता-पिता से इस विषय पर बात की तथा उनकी काउन्सलिंग कर बच्चों को स्कूल में भर्ती करवाने के बारे में समझाया गया। इस कार्यक्रम में चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा,टीम सदस्य मनोज सोनी,गौरव आचार्य, सलमा खान व सुमनलता श्रीवास्तव ...

➢ चाइल्डलाइन टीम द्वारा कुपोषित बच्चे जिनके माता–पिता बच्चो को एन.आर.सी. मे भर्ती नही करवाते थे उन माता–पिता की काउन्सलिंग कर उन बच्चों को अस्पताल (एन.आर.सी.) मे भर्ती करवाया गया।

ग्वालियर
रविवार, 7 अगस्त, 2016
वर्ष 21, अंक 176
पृष्ठ 12+4=16
मूल्य रु. 3.00
www.n..vabharat.net

नव भारत

## गम्भीर कुपोषित बालक को एनआरसी में कराया भर्ती

श्योपुर 6 अगस्त का. जिले के अभयपुरा व रामपुरा डांग में महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित बालको के संरक्षण मे कार्य कर रही चाइल्डलाइन की टीम ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें गांव की सभी महिलाएं और पुरूष मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत सेमल्दा सेक्टर की सुपरवाइजर प्रेमलता मेहरा द्वारा अभयपुरा की आंगनवाड़ी के बाहर वृक्षारोपण करके की गई। इसके उपरान्त चाइल्डलाइन की काउंसलर अनामिका पराशर ने चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे मे जागरूक किया साथ ही साथ महिलाओं को खान-पान के बारे मे जानकारी दी। इसके बाद ग्राम रामपुरा डांग में भी लोगो और महिलाओं को जागरूक किया व उनकी समस्याओं के बारे चर्चा की। चर्चा के दौरान रामपुरा में 11 ऐसी छोटी बालिकाएं मिली जो लाड़ली लक्ष्मी योजना से लिंक नही हुई थी चाइल्डलाइन की टीम और सुपरवाईजर द्वारा बालिका के उसी समय फार्म भर गए। चर्चा के दौरान यहां की महिलाओं ने बताया कि हमारे गांव मे एक बालक है जो बीमार है जब हमने उस बालक रामराज आदिवासी को देखा तो पाया की बालक अति कुपोषित है व उसकी माँ 7 माह का छोड़कर चलबसी जिस कारण बालक इतना अधिक कुपोषित हो गया की उसकी जान पर बन आई। सुपरवाईजर प्रेमलता एवं चाइल्डलाइन के समन्वयक मुकेश कुमार सेन की उपस्थिति में बालक की दादी और पिता को काफी समझाने के बाद टीम सदस्य श्रीमति सुमनलता ने गम्भीर स्थिति मे बालक को दादी की देख रेख में जिला चिकित्सालय के एन आर सी मे भर्ती करवाया। इस दौरान कार्यक्रम में चाइल्डलाइन के मनोज सोनी, विप्लव शर्मा, सलमा खान, व कपूरी बाई, खाद्य सुरक्षा पोषण विविधता कार्यक्रम की पोषण सलाहकार रीना मौजूद थी।

**9 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना से जोड़ा**

दैनिक
www.mpsabkuch.in
एम.पी. सब कुछ
हमेशा सच के साथ

• रविवार 7 अगस्त 2016 पृष्ठ : 12 • मूल्य ₹ 2 • E-mai

## 9 बनीं लाड़ली लक्ष्मी कुपोषित एनआरसी में भर्ती

श्योपुरब्यूरो।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संचालित बालकों के संरक्षण में कार्य कर रही चाइल्ड लाइन की टीम ने अभयपुरा एवं रामपुरा डांग में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया,जिसमें गांव की महिलाएं एवं पुरूष मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सेमल्दा सेक्टर की सुपरवाईजर हेमलता मेहरा ने अभयपुरा की आंगनवाड़ी के बाहर वृक्षारोपण से की। इसके उपरांत चाइल्ड लाइन की काउंसलर अनामिका पाराशर ने चाइल्ड हेल्प लाइन के बारे में जागरूक किया। इसके बाद ग्राम रामपुरा डांग में भी लोगों एवं महिलाओं को जागरूक किया तथा खान-पान के बारे में चर्चा की।

इस दौरान चाइल्ड लाइन से समस्याएं भी जानीं। चर्चा के दौरान ग्राम रामपुरा में 11 ऐसी छोटी बालिकाएं मिलीं,जो लाडली लक्ष्मी योजना से लिंक नहीं हुई थीं। चाइल्ड लाइन की टीम और सुपरवाईजर ने ऐसी बालिकाओं के मौके पर ही फार्म भरवाए।

चर्चा के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि गांव में एक बालक है,जो बीमार है। टीम ने जब चलकर उस बालक को देखा तो वह अति कुपोषित मिला। जबकि मां सात माह पहले ही उसे छोड़कर चल बसी। ऐसे में उसकी जान पर बन आई। टीम एवं सुपरवाईजर ने जिला चिकित्सालय की एनआरसी में कुपोषित बालक को भर्ती करवाया। इस दौरान मनोज सोनी,विप्लव शर्मा,श्रीमती सुमनलता, सलमा खान, कपूरीबाई आदि मौजूद थे।

➢ चाइल्डलाइन टीम द्वारा एसे बीमार व थेलिसीमिया की बिमारी से पीडित बच्चे जिनको रक्त की आवश्यता थी उनके लिये रक्त उपलब्ध करवाया गया।



## सेवा... चाइल्ड लाइन के सदस्य ने दिया प्रसूता को खून

श्योपुर| जिला अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता को डिलीवरी होने के बाद खून की आवश्यकता पड़ी तो चाइल्ड लाइन टीम के सदस्य ने तत्काल खून दान किया। जिला अस्पताल में पांडोला निवासी मीना पत्नी प्रेमचंद्र नागर डिलीवरी के बाद खून की जरूरत पड़ी। ए पॉजीटिव रक्त उपलब्ध नहीं था, जिस पर लैब प्रभारी ने चाइल्ड लाइन के सदस्य मनोज सोनी को सूचना दी। सूचना मिलते ही मनोज सोनी अस्पताल पहुंचे और महिला के लिए स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस दौरान उनका सहयोग टीम के सदस्य गौरव आचार्य व राहुल जैन ने किया।

...नगर से एक साथ प्रकाशित

मध्य स्वदेश

गुना, गुरुवार 8 जून 2017, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष-14, संवत् 2074, युगाब्द 5119, वर्ष : 27, अंक : 136, मूल्य : 2.00 रुपए, पृष्ठ : 12

...बो... | पृष्ठ 10 | प्याज के बीजों पर मिलेगी... | पृष्ठ 11 | भारत में कैसे होता है... | पृष्ठ 12 | ईरान: संसद...

## जरूरतमंद के लिए चिकित्सालय पहुंचकर किया रक्तदान



रक्तदान करते युवा।

श्योपुर ब्यूरो

पीलिया की बीमारी से ग्रस्त अभिषेक जांगिड़ उम्र 16 वर्ष निवासी पटवारी कॉलोनी श्योपुर ओ पॉजीटिव व मालीपुरा निवासी रचना आदिवासी 5 वर्ष को थेलीसेमिया की बीमारी बी पॉजीटिव रक्त की आवश्यकता है। इसकी सूचना चाइल्ड लाइन टीम को कॉलर कौशल शर्मा को मिली जिस पर टीम द्वारा जिला हॉस्पिटल पहुंचकर समाजसेवियों से संपर्क कर रक्तदान करने के लिए आह्वान किया गया जिसमें नरेश गुर्जर ग्राम बर्धा बुजुर्ग द्वारा बालक अभिषेक के लिए व रचना के लिए लेखराज जाटव ग्राम ... लाथ द्वारा रक्तदान किया गया। इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. आर. बी. गोयल, चाइल्ड लाइन टीम के विप्लव शर्मा, टीम मेंबर गौरव आचार्य, हरप्रीत सिंह, सोनू जाट, कौशल शर्मा, बिट्टू सरदार, ललित जांगिड़, अरविंद कुमार पटेल का सहयोग रहा।

- चाइल्डलाइन टीम द्वारा पुलिस– महिला सशक्तिकरण विभाग के साथ मिलकर बाल विवाह रूकवाया है।

- चाइल्डलाइन टीम द्वारा कई विकलांग बच्चो के विकलांग प्रमांण पत्र बनवाकर उनको जनकल्याणकारी योजना का लाभ दिलवाया गया।

# आवेयरनेस / ओपन हाउस प्रोग्राम –

चाइल्डलाइन टीम द्वारा खेल–खेल, प्रदर्शिदनी, हस्ताक्षर अभियान, रेली, बाल फिल्म, पेन्टींग व सामान्यज्ञान प्रतियोगिताओ के माध्यम से भी कई अवेयरने प्रोग्राम किये गये है। इस दौरान बच्चो व लोगो को चाइल्डलाइन 1098, उनके के अधिकारों उनकी सुरक्षा, अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे मे जानकारी दी गयी है।

इसके साथ ही बच्चो की समस्याओ के बारे मे जानकारी प्राप्त करने के लिये जिले के गांव, आदिवासी बस्तियों, स्कूलो, छात्रावासो, धार्मिक स्थल व शहर के सर्वजनिक स्थानो पर कई ओपनहाउस प्रोग्राम किये गये है।

DIAL
1098
नि:शुल्क डायल, रात-दिन सेवा
संचालित :– महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर (म.प्र.)
चाइल्डलाइन श्योपुर
DIAL
1098
नि:शुल्क डायल, रात – दिन सेवा
संचालित :– महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर (म.प्र.)
CHILD LABOUR

चाइल्ड लाइन
DIAL
1098
नि:शुल्क डायल, रात-दिन सेवा
संचालित :– महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर (म.प्र.)
12 जून
विश्व बाल मजदूर निषेध्द दिवस
चाइल्डलाइन श्योपुर 1098
हस्ताक्षर अभियान

बाल यौन शोषण
चाइल्डला
महात्मा गांधी सेवा

बेटियां अनमोल हैं
बाल विवाह इनके स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आगे बढ़ने के अवसरों में सबसे बड़ी बाधा है
इनका विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें
चाइल्डलाइन श्योपुर
CHILD LINE 1098
DIAL 1098
निःशुल्क डायल, रात - दिन सेवा
बाल अधिकार
चाइल्डलाईन श्योपुर

चाइल्ड लाइन श्योपुर
बेटियां अनमोल
CHILD LINE 1098

चाइल्डलाइन श्योपुर
CHILD LINE 1098
चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098

स्वच्छ भारत अभियान

महात्मा गांधी सेवा आश्रम परिवार
आपका हार्दिक
चाइल्डलाइन श्योपुर
CHILD LINE 1098
चाइल्डलाइन श्योपुर
DIAL 1098

चाइल्ड लाईन श्योपुर 2016-17
12 जून
हस्ताक्षर अभियान
महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर
SAY NO TO
CHILD LABOUR


12 जून
1098
12.06.2015 10:56

लाड़ो अभियान
CHILDLINE
SE DOSTI
BE A PART OF CHILDLINE
स्वच्छ भारत अभियान
चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर (म.प्र.)

CHILDLINE
SE DOSTI
BE A PART OF CHILDLINE
दोस्ती सप्ताह
हम संकल्प लेते है कि हम बाल श्रम, भिक्षावृति, बाल यौन
से पीड़ित बच्चों की मदद करेंगे यदि इस प्रकार के बेवस बेसहारा
मिलते है तो हम चाइल्ड लाइन का
1098 नंबर डायल
हस्ताक्षर अभियान

चाइल्ड लाइन श्यामपुर
1098
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

चाइल्ड लाइन श्यामपुर
1098

वाइल्ड लाइन श्योपुर
1098

चाइल्ड लाईन

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
संचालित:– महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर (म.प्र.)
महात्मा गांधी सेवा आश्रम
पाली रोड, श्योपुर (म.प्र.)
SAY NO TO CHILD LABOUR
बेटियां अनमोल हैं

चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
बेटियां अनमोल हैं
बाल विवाह इनके स्वास्थ्य,
शिक्षा एवं आगे बढ़ने के अवसरों
में सबसे बड़ी बाधा है
इनका विवाह
18 वर्ष के बाद ही करें

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
ABCD
HIJK
OPQR
VWX

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
CHILD LINE 1098

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
CHILDLINE
SE DOSTI

आंगनबाड़ी केन्द्र
जिला-श्योपुर
वार्ड क्र.-20A
24 hour helpline for children in need of care and protection
CHILDLINE 1098
चाईल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098

चाईल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
SBI

स्वच्छ भारत अभियान
वाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
बेटियां अनमोल हैं

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
www.childlineindia.org.in
24 hour helpline for children in need of care and protection
CHILDLINE 1098
बेबस, बेसहारा और
सेवा 1098 चाइल्डलाइन

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
नगर विकास प्रस्फुटन समिति
जिला – श्योपुर (म.प्र.)
नवांकुर संस्था
गायत्री परिवार
गांधी विचार मंच


जिला

18 वर्ष के बाद ही करें
CHILD LINE 1098
चाइल्डलाइन श्योपुर
DIAL 1098
चाइल्ड लाईन श्योपुर
संचालित – महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर (म.प्र.)
देखभाल और सहायता करने वाला
सिर्फ एक फोन कॉल की दूरी पर है।
डायल करें १०९८ जब...
भय मुक्त शिक्षा
उनका अधिकार
हमारी जिम्मेदारी


CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
चाइल्डलाइन श्योपुर
DIAL 1098
निःशुल्क डायल, रात - दिन सेवा
संचालित :- महात्मा गांधी सेवा आश्रम
चाइल्ड लाईन श्योपुर

24 hour helpline for children in
need of care and protection
CHILDLINE 1098
बेसहारा और मुसीबत में फँसे बच्चों के लिए
दिन रात मुफ़्त फ़ोन सेवा 1098 चाइल्डलाइन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
8 मार्च 2015
CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
चाईल्ड लाईन श्योपुर (म.प्र.)
DIAL 1098
08.03.2015 16:18

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
8 मार्च 2015
CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY
चाईल्ड लाईन श्योपुर (म.प्र.)
DIAL 1098
संचालित–महात्मा गांधी सेवा आश्रम
08.03.2015 15:17

श्योपुर : खिलाड़ियों को जानकारी देते चाइल्डलाइन टीम के कार्यकर्ता।

# समर कैम्प में चाइल्डलाइन की टीम ने दी खिलाड़ियों को जानकारी

श्योपुर ब्यूरो : चाइल्डलाइन की टीम ने खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बच्चों के समर कैम्प में सभी टीम के खिलाड़ियों को चाइल्डलाइन के बारे में जानकारी देते हुए- बच्चों को सिखाया कि चाइल्डलाइन के 1098 नम्बर की मदद से किस प्रकार से वह स्वयं की व अन्य मुसीबत में फंसे व जरूरत मंद की मदद कर सकते है। चाइल्डलाइन टीम की टीम ने उपस्थित बच्चों को बताया गया कि आप स्वयं के गुम होने पर चाइल्डलाइन की मदद से किस प्रकार से सुरक्षित घर पहुँच सकते है। यदि आपको स्कूल में मार-पीट जाता है या फीस के लिये बार-बार परेशान किया जाता है या बालिकाओं के साथ स्कूल, कोचिंग, रास्ते पर किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार होता है या रास्ते में आपके साथ किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर किस तरह से चाइल्डलाइन की मदद ली जा सकती है, के बारे में समझाया गया। इस दौरान चाइल्डलाइन समन्वयक विप्लव शर्मा, टीम सदस्य मनोज कुमार सोनी, गौरव आचार्य, सलमा खान, खेल युवा कल्याण विभाग से आशीष दुबे, जितेन्द्र अग्रवाल, बृजेश राठौर उपस्थित रहे।

21.03.2015 12:08

समेकित बाल संरक्षण
योजनांतर्गत
कार्यशाला सह प्रशिक्षण
स्वच्छ भारत अभियान
चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098

श्योपुर
098

स्वच्छ भारत अभियान
चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
संचालित – महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर (म.प्र.)
एकता परिषद, श्योपुर
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
08 मार्च
महिला सशक्तिकरण
महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर

CHILD LINE 1098
चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
8 मार्च
महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर (म.प्र.)

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस
10 दिसम्बर
महात्मा गांधी सेवा आश्रम
श्योपुर (म.प्र.)

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
किशोरी नेतृत्व विकास प्रशिक्षण शिविर

स्वच्छ भारत अभियान
चाइल्ड लाइन श्योपुर

भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग्भवेत ॥
चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098
संचालित :- महात्मा गांधी सेवा आश्रम, श्योपुर
24 hour helpline for children in
need of care and protection
CHILDLINE 1098
बेबस, बेसहारा और मुसीबत में फँसे बच्चों के लिए
दिन रात मुफ्त फ़ोन सेवा 1098 चाइल्डलाइन

चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
संचालित – महात्मा गांधी सेवा आश्रम श्योपुर (म.प्र.)

CHILD LINE 1098
बेबस, बेसहारा
दिन रात मुफ्त

CHILDLINE
SE DOSTI

CHILDLINE
SE DOSTI
BE A PART OF CHILDLINE
चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098

चाइल्ड लाइन श्योपुर
DIAL 1098

चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098

CHILD LINE 1098
चाईल्ड लाईन श्योपुर (म.प्र.)
DIAL 1098

HAPPY BIRTHDAY
स्वच्छ भारत अभियान

CHILDLINE
1098
चाइल्ड लाइन श्योपुर
1098
दीनदयाल रसोंई योजना

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ
CHILDLINE
SE DOSTI

# धन्यवाद

## चाइल्डलाइन श्योपुर

संचालित- महात्मा गांधी सेवा आश्रम।